सुविचार

सपने देखने वाले बहुत हैं, लेकिन उन्हें पूरा वही करता है जो मेहनत करता है।

दैनिक

पंचकूला ऑब्जर्वर

सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 54 | पंचकूला। मंगलवार, 31 मार्च 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

कोटक महिंद्रा बैंक ने पंचकूला नगर निगम को लौटाए 127 करोड़ रुपये

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। नगर निगम पंचकूला के 160 करोड़ रुपये की एफडी के गबन मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो के एक्शन के बाद कोटक महिंद्रा बैंक ने 127 करोड़ रुपये की राशि नगर निगम पंचकूला को लौटा दी। कोटक महिंद्रा बैंक ने राशि लौटाकर मान लिया है कि बैंक के स्तर पर विसंगतियां हुई हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के प्रवक्ता की ओर से आधिकारिक बयान जारी किया है। नगर निगम पंचकूला के अधिकारियों के सीधे तौर पर गबन मामले में संलिप्तता फिलहाल सामने नहीं आई है। इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा की जा रही जांच में सोमवार को कोटक महिंद्रा बैंक एवं एयू स्माल बैंक पर कार्रवाई हुई। बैंक के बाहर पुलिस कर्मचारी तैनात कर दिए गए थे।

कोटक महिंद्रा बैंक की से एफडी और उससे जुड़े बैंक खातों के मिलान के दौरान सामने आई अनियमितताओं को लेकर कोटक महिंद्रा बैंक ने आधिकारिक बयान जारी किया है। बैंक के प्रवक्ता के अनुसार, इस प्रक्रिया में कुछ ऐसी विसंगतियां पाई गई हैं, जो बैंक और नगर निगम दोनों को प्रभावित कर सकती हैं और फिलहाल जांच के दायरे में हैं। बैंक ने अपने बयान में कहा कि सरकारी संस्थानों के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को ध्यान में रखते हुए कोटक महिंद्रा बैंक ने एहतियात के तौर पर नगर निगम पंचकूला के पास 127 करोड़ रुपये की राशि जमा कराई है, जबकि पूरे मामले की जांच जारी है।

प्रवक्ता ने बताया कि बैंक और नगर निगम पंचकूला संबंधित प्राधिकरणों के साथ मिलकर इस मामले की सच्चाई स्थापित करने और उचित समाधान निकालने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। बैंक ने यह भी स्पष्ट किया कि इस पूरे प्रकरण का उसकी सामान्य कार्यप्रणाली या ग्राहकों की सेवाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है और बैंक की सभी सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं। इस प्रकरण में बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर दिलीप ने एसीबी को खुलासे किए हैं कि इस प्रकरण का मास्टरमाइंड बैंक का डिप्टी वाइस प्रेसीडेंट पुष्पिंद्र सिंह है। जिसके बारे में दिलीप कुमार राघव को पूरी जानकारी है।

दिलीप सिंह राघव द्वारा बताए गए ठिकानों पर छापेमारी की गई। दिलीप कुमार राघव पुष्पिंद्र के घर एवं अन्य ठिकानों पर जाकर पक?वाने में मदद कर सकता था, इसलिए दिलीप राघव ने बैंक से खुद एसीबी के साथ जाकर पूछताछ में बताया और उसके बाद उसकी गिरफ्तारी हुई थी। अब एसीबी ने चार दिन का रिमांड खत्म होने के बाद उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कोटक महिंद्रा बैंक के बाहर पुलिस तैनात, अंदर घंटों तक चली जांच

नगर निगम के फिकस्ड डिपॉजिट में हुई करोड़ों रूपए की धोखाधड़ी के मामले में जांच अब और सख्त हो चुकी है। स्टेट विजिलेंस ब्यूरो और एंटी करप्शन ब्यूरो की कार्रवाई के बीच सोमवार को सेक्टर 11 स्थित कोटक महिंद्रा बैंक के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई, ताकि बैंक में हुई इस धांधली का रिकॉड हासिल किया जा सके। पड़ताल के दौरान जांच एजेंसी के अधिकारियों ने बैंक में दस्तावेजों को बरामद करने के लिए यह कार्रवाई की। शक जताया जा रहा है कि गड़बड़ी सामने आने के बाद कहीं रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ न हो। इसके लिए स्टॉफ को भी बैंक में जाने की अनुमति नहीं दी गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक करोड़ों रूपए के इस घपले की जांच पंचकूला से लेकर पानीपत तक जारी रही। पानीपत में कोटक महिंद्रा बैंक की तीनों ब्रांच बंद कर बाहर पुलिस तैनात कर दी गई। बताया जा रहा है कि एसीबी को बैंक की तरफ से जांच में सहयोग नहीं किए जाने के चलते यह कार्रवाई की गई। संभव है कि आने वाले दिनों में भी बैंक में इस तरह की पाबंदी देखने को मिल सकती है। सूत्रों ने बताया कि बैंक के बाहर सुबह 10 बजे से पहले ही पुलिस तैनात हो गई थी। स्टॉफ को बैंक के बाहर ही रोके रखा। वहीं, जो लोग बैंक में काम के लिए आए उन्हें भी अंदर जाने से रोक दिया गया। गौरतलब है कि नगर निगम की 11 एफडी कोटक महिंद्रा बैंक में जमा की गई थी। इनमें से 58.9 करोड़ रूपए की एफडी मैच्योर हुई तो निगम के संपर्क करने के बाद इस हेराफेरी का खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि सभी एफडी में जमा पैसा गायब था। पैसे को षडयंत्र के तहत फर्जी खाते खोल कर उनमें जमा की गई। इसके लिए मिलीभगत से बैंक कर्मियों ने नगर निगम के अधिकारियों की फर्जी मुहर, हस्ताक्षर और फर्जी अपूरूवल के जरिए सारी रकम खुर्दबुर्द कर दी गई। विजिलेंस ने इस मामले में अभी तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जो अभी पुलिस रिमांड पर हैं।

रेड क्रॉस द्वारा बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग आयोजित

पंचकूला। राजकीय महाविद्यालय पंचकूला सेक्टर 1 की प्राचार्या डॉ शैलजा छाबड़ा के मार्गदर्शन में यूथ रेड क्रॉस द्वारा मैक्स हॉस्पिटल मोहाली के सहयोग से बुनियादी जीवन रक्षक प्रणाली ट्रेनिंग सेशन आयोजित किया गया। बी एल एस ट्रेनिंग के माध्यम से मैक्स हॉस्पिटल से डॉक्टर दीपशिखा द्वारा विद्यार्थियों को सी पी आर (छाती दबाना और श्वास देना) और वायु मार्ग को साफ रखना सिखाया गया ताकि अस्पताल पहुंचने तक मरीज या दुर्घटना के शिकार व्यक्ति के मस्तिष्क और शरीर में ऑक्सीजन संचार बना रहे। ट्रेनिंग प्रोग्राम के आयोजक यूथ रेड क्रॉस काउंसलर डॉक्टर राकेश पाठक द्वारा सभी विद्यार्थियों को बेसिक लाइफ़ सपोर्ट ट्रेनिंग के महत्व को बताया गया जिससे आपदा के समय किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने का प्रयास किया जा सके। मैक्स हॉस्पिटल मोहाली से पंकज उपाध्याय द्वारा सभी का धन्यवाद किया गया। ट्रेनिंग के दौरान यूथ रेड क्रॉस वॉलंटियर्स दुर्गेश प्रजापति, अभिषेक, निरंजन, स्वाति, करमजीत, अकुंश, आरिफ, सत्येंद्र, जैस्मीन कौर, तनु, कोमल, अनिखा, अनमोल, निधि कश्यप, तथा एन एस एस स्वयं सेवक दृश्य और लक्ष्य कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ऑनर किलिंग : जीजा की रंजिशन हत्या आरोपी साला व उसका साथी 2 घंटे में काबू

3 महीने पहले हुए प्रेम विवाह से थे खफा, मृतक व मुख्य आरोपी पहले हुआ करते थे दोस्त

- दोनों आरोपी जोमेटो में डिलीवरी बॉय
- वारदात में प्रयोग गंडासा बरामद, दोनों आरोपियों को कल कोर्ट में किया जाएगा पेश

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। हरियाणा के पंचकूला में एक हत्याकांड का मामला सामने आया है, जहाँ एक युवक ने अपने ही जीजा (दोस्त) की बेरहमी से हत्या कर दी। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने आज आयोजित प्रेस वार्ता में इस वारदात का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक शिवम ने करीब 3 महीने पहले गोलू नाम की युवती से प्रेम विवाह किया था। इस शादी से लड़की का भाई, जो खुद भी शिवम नाम का ही है, बेहद खफा था। इसी रंजिश के चलते आरोपी साले ने अपने दोस्त के साथ मिलकर मर्डर की इस पूरी साजिश को अंजाम दिया।

मृतक और मुख्य आरोपी दोनों मूल रूप से उत्तर प्रदेश के हरदोई के रहने वाले थे और कभी गहरे दोस्त हुआ करते थे।

वारदात आज सुबह उस वक्त हुई जब मृतक शिवम अपनी माता को इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 छोड़ने गया था। वापस आते समय जैसे ही वह सेक्टर-19 के गोल चक्कर के पास पहुँचा, घात लगाकर बैठे उसके साले शिवम, 20 वर्ष और उसके दोस्त राहुल, 19 वर्ष, ने तेजधार हथियार से उस पर हमला कर दिया। घायल को सैक्टर-6 स्थित अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने शिवम को मृत घोषित कर दिया। आरोपी वर्तमान में पंचकूला और जीरकपुर क्षेत्र में रहते थे और जोमेटो में डिलीवरी बॉय का काम करते थे। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने आगे बताया कि सूचना मिलते ही डायल 112, सीन ऑफ क्राइम टीम, सेक्टर-20 थाना पुलिस और सेक्टर-19 चौकी की टीमें सक्रिय हो गईं। सेक्टर-20 थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सोमबीर ढाका के नेतृत्व में एएसआई कुलदीप, संदीप और एसपीओ मुकेश ने आरोपियों का पीछा शुरू किया। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए महज 2 घंटे के भीतर आरोपियों को पंजाब के जीरकपुर से दबोच लिया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया वह गंडासा भी बरामद कर लिया है, जिस पर मृतक के खून के निशान मौजूद हैं। कल दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हथियार कहाँ से खरीदा गया और क्या इस साजिश में कोई और भी शामिल था।

हर तथ्य की होगी जांच

पंचकूला पुलिस कमिश्नर (एडीजीपी) शिवास कविराज ने कहा कि पंचकूला पुलिस का स्पष्ट उद्देश्य है कि जिले में शांति, सुरक्षा और कानून का राज हर हाल में कायम रखा जाए। इस हत्या कांड में हमारी टीमों ने जिस तेजी और सूझबूझ के साथ कार्रवाई की, वह सराहनीय है। हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि जांच के दौरान कोई भी तथ्य नजरअंदाज न हो और यदि इस वारदात में कोई अन्य व्यक्ति शामिल पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ढोल-नगाड़ों के साथ सम्मानित विदाई

पंचकूला पुलिस के 6 अधिकारी-कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

- किसी भी कर्मचारी की बेहतर सेवा के पीछे उसके परिवार का बहुत बड़ा योगदान होता है : डीसीपी सृष्टि

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला, 30 मार्च। पुलिस सेवा में वर्षों तक समर्पण, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियाँ निभाने वाले पंचकूला पुलिस के छह अधिकारी-कर्मचारियों को आज सेक्टर-26 स्थित पुलिस लाइन में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्ति दी गई। समारोह भावनात्मक और प्रेरणादायक रहा, जहाँ पुलिस परिवार ने ढोल-नगाड़ों की धुन, पुष्पगुच्छ और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी।

समारोह में सब इंस्पेक्टर जगदीश चंदर, ईएसआई देव राज, ईएसआई जसमेर सिंह, एएसआई महावीर सिंह, सिपाही/ईएसएम श्याम सिंह, कूक सुरज थापा को विभाग की ओर से सम्मानित करते हुए उनके लंबे सेवाकाल और उत्कृष्ट कार्यों को याद किया गया।

डीसीपी डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी कर्मचारी की बेहतर सेवा के पीछे उसके परिवार का बहुत बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा ÷यदि घर-परिवार में सहयोग न हो तो विभागीय जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाना संभव नहीं है। आपके परिवार ने आपको संभाला, तभी आप पुलिस विभाग को इतने वर्षों तक अपनी सेवाएँ दे सके। इसके लिए जितना आपके परिवार का धन्यवाद किया जाए उतना ही कम है।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के सेवाकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों, चुनौतीपूर्ण ड्यूटी के अनुभवों और विभाग के प्रति उनके समर्पण को विस्तार से साझा किया।

पुलिस कमिश्नर (एडीजीपी) शिवास कविराज ने सभी को बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद और सम्मानजनक भविष्य की कामना की। इस अवसर पर एसीपी ट्रैफिक सुरेन्द्र सिंह, एसीपी अजीत, इंस्पेक्टर हितेन्द्र सिंह, एएसआई रामेश्वर दास सहित सेवानिवृत्त अधिकारियों के परिवारजन और पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन एएसआई शिवानी ने प्रभावी और सुचारू रूप से किया। अंत में सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ समारोह का समापन हुआ।

पूर्व डीजीपी के नाम पर व्हाट्सएप हैक कर फ्रॉड करने वाला आरोपी बिहार से गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत भेजा

- पुलिस की अपील- किसी के कहने पर अपने फोन से कोई भी अनजाना कोड डायल न करें और न ही ओटीपी साझा करें

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला, 30 मार्च। पंचकूला पुलिस की साइबर क्राइम टीम ने एक धोखाधड़ी के मामले को सुलझाते हुए एक आरोपी को बिहार से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह मामला हरियाणा के पूर्व डीजीपी के साथ हुई साइबर ठगी से जु?ा है। अपराधियों ने न केवल एक वरिष्ठ पूर्व अधिकारी का व्हाट्सएप अकाउंट हैक किया, बल्कि उनके संपर्कों से पैसे ऐंठने के लिए उनके पद और प्रतिष्ठा का दुरुपयोग भी किया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जो बिहार के नालंदा जिले का रहने वाला है।

शिकायत के अनुसार, 9 मार्च 2026 को पूर्व डीजीपी कंवर निर्मल सिंह के पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने झांसा दिया कि उनका एक पार्सल आया है और उसे रिसीव करने के लिए उन्हें अपने फोन से एक कोड डायल करना होगा। जैसे ही उन्होंने यह प्रक्रिया दोहराई, ठगों ने उनके व्हाट्सएप का ओटीपी हासिल कर लिया और उनके नंबर को अपने डिवाइस में लॉगिन कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने उनके व्हाट्सएप कॉन्टैक्ट्स को संदेश भेजकर आपातकालीन स्थिति का हवाला देते हुए पैसों की मांग शुरू कर दी। इसी झांसे में आकर एक पुलिस कर्मचारी गुलशन कुमार ने ठगों द्वारा दिए गए बैंक खाते में 40,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। जो कि इससे पहले पूर्व अधिकारी के गनमैन रह चुके है। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह- मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर क्राइम थाना पंचकूला में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। साइबर एसएचओ युद्धवीर सिंह व जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर सौरभ सिंह की अगुवाई में जांच शुरू की। जांच में पाया गया कि ठगी की राशि बिहार के नालंदा निवासी राजेश कुमार के बैंक खाते में गई थी। हमारी टीम ने आरोपी को 29 मार्च को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी से साइबर फ्रॉड की 40 हजार रकम बरामद कर ली गई है। आरोपी को आज न्यायिक हिरासत भेज दिया गया है।

पंचकूला पुलिस कमिश्नर (एडीजीपी) शिवास कविराज- चाहे मामला किसी उच्च अधिकारी से जुड़ा हो या किसी सामान्य नागरिक से, पंचकूला पुलिस हर स्थिति में निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कार्य करते हुए सभी को न्याय दिलाना सुनिश्चित करती है। साइबर अपराधी अब विभिन्न तरीकों के जरिए व्हाट्सएप एक्सेस कर रहे हैं। इस मामले में हमने बिहार से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है जिसने अपना खाता अपराधियों को किराए पर दिया था। मैं जनता से अपील करता हूँ कि किसी के कहने पर अपने फोन से कोई भी अनजाना कोड डायल न करें और न ही ओटीपी साझा करें। यदि कोई परिचित व्हाट्सएप पर अचानक पैसों की मांग करे, तो भुगतान करने से पहले उन्हें कॉल करके पुष्टि जरूर करें।

यूएन अधिकारी मो. सफा बोले- तेहरान पर परमाणु हमले की प्लानिंग, इस्तीफा दिया

पंचकूला ऑब्जर्वर

वाशिंगटन। ईरान पर परमाणु हमले की तैयारियों को लेकर ह अधिकारी मोहम्मद सफा ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने ङ्ग पर एक पोस्ट में लिखा है- %लोग इस मामले की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं। वे 1 करोड़ आम, मेहनतकश लोगों पर परमाणु हमला करने की योजना बना रहे हैं, ऐसे लोग जिनके भी अपने सपने हैं!

सफा ने लिखा- ÷इस जानकारी को लीक करने के लिए मैंने अपना कूटनीतिक करियर छोड़ दिया। मैंने अपने कर्तव्यों को निलंबित कर दिया ताकि मैं मानवता के खिलाफ इस अपराध का हिस्सा न बनूँ और न ही इसका गवाह बनूं, ऐसा मैंने %परमाणु शीतकाल% (न्यूक्लियर विंटर) को रोकने की कोशिश में किया, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।

सफा ने पोस्ट के आखिर में लिखा- ÷परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना को बहुत गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यह बेहद खतरनाक है। अभी कदम उठाएं। इस संदेश को पूरी दुनिया में फैलाएं। सड़कों पर उतरें। हमारी मानवता और हमारे भविष्य के लिए विरोध प्रदर्शन करें। इसे केवल आम लोग ही रोक सकते हैं। इतिहास हमें जरूर याद रखेगा।÷

बिकवाली जारी — मध्य पूर्व में तनाव का असर!

शेयर बाजार फिर धड़ाम, सेंसेक्स 1,635 अंक गिरकर बंद

पंचकूला ऑब्जर्वर

मुंबई, 30 मार्च। चालू वित्त वर्ष (2025-26) के आखिरी कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट देखने को मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,635.67 अंक या 2.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,947.55 और निफ्टी 488.20 अंक या 2.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,331.40 पर था।

बाजार में चौतरफा गिरावट देखी गई। करीब सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक (4.56 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस (3.49 प्रतिशत), निफ्टी प्राइवेट बैंक (3.37 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (2.84 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (2.80 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज

(2.72 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (2.58 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (2.50 प्रतिशत) और निफ्टी ऑटो (2.39 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी गिरावट देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,447.80 अंक या 2.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,650 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 416.20 अंक या 2.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 15,203.80 पर था। बजाज फाइनेंस, एसबीआई, इंडिगो, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा और एशियन पेंट्स लूजर्स थे।

डॉलर के मुकाबले रुपया पहली बार 95 के पार

वहीं डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए ने सोमवार को पहली बार 95 के स्तर को पार 95.2 का नया लो बनाया है। हालांकि, दिन के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 94.83 के स्तर पर बंद हुआ, जो कि शुक्रवार के बंद 94.81 से 0.3 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। मध्य पूर्व में तनाव के कारण डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार कमजोरी देखी जा रही है और अकेले मार्च में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा ने 4.4 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। इस वित्त वर्ष में रुपया 10 प्रतिशत से ज्यादा टूट चुका है। रुपए की कमजोरी का असर आम आदमी पर भी होगा। इससे विदेशों से इम्पोर्ट होने वाले सामान जैसे मोबाइल, सोना-चांदी, कच्चा तेल खरीदना महंगा हो जाएगा। इससे महंगाई बढ़ेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकों के लिए ओवरनाइट नेट ओपन पॉजिशन लिमिट को घटाकर 100 मिलियन डॉलर करने के बाद, रुपया मजबूती के साथ खुला था, लेकिन सत्र के दौरान इसने अपनी बढ़त खो दी और शुरुआती स्तर से 160 पैसे गिर गया। इसके अलावा, पिछले सप्ताह रुपए में लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट आई, जो इसी स्तर की लगातार चौथी साप्ताहिक गिरावट थी।

सनौर में 87 करोड़ की लागत से सड़कों के नवीनीकरण की शुरुआत

सनौर लिंक रोड और पटियाला-पिहोवा रोड समेत अन्य सड़कों का होगा नवीनीकरण : सीएम मान

- कहा-27 करोड़ रुपये की लागत से घड़ाम राजबाहा, शेखपुरा और बहादुरपुर माइनरों की कंक्रीट लाइनिंग का काम शुरू

पंचकूला ऑब्जर्वर

सनौर (पटियाला), 30 मार्च। पंजाब के पटियाला जिले के सनौर विधानसभा क्षेत्र में 30 मार्च को आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्य के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा और सिंचाई परियोजनाओं की घोषणा की। उन्होंने 87 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों के नवीनीकरण और 27 करोड़ रुपये की नहरी लाइनिंग परियोजनाओं की शुरुआत की। इन योजनाओं से क्षेत्र के 83 गांवों में फैले 40,066 एकड़ कृषि क्षेत्र को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले भ्रष्टाचार के कारण सड़कों की हालत जल्दी खराब हो जाती थी, लेकिन अब उनकी सरकार ने ठेकेदारों के लिए पांच साल के अनिवार्य रखरखाव की शर्त लागू की है। इससे न केवल निर्माण कार्य की गुणवत्ता बेहतर होगी, बल्कि जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी सड़क में कमी पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदार के भुगतान को रोका जा सकता है, उसे ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है और भविष्य में ठेके देने से भी रोका जा सकता है।

उन्होंने सिंचाई के क्षेत्र में हुए सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में सिंचाई के अधीन क्षेत्र को 21,050 एकड़ से बढ़ाकर कहीं अधिक किया गया है। इसके साथ ही कानूनी प्रयासों के माध्यम से भाखड़ा नहर के पानी में पंजाब का 25 प्रतिशत हिस्सा सुनिश्चित किया गया है, जिससे किसानों को उनका अधिकार मिल सके। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पानी के संरक्षण को लेकर गंभीर है और हर बूंद के उपयोग को प्राथमिकता दी जा रही है।

सनौर क्षेत्र में विकास कार्यों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 49.60 करोड़ रुपये की लागत से नई लिंक सड़कों का निर्माण किया जाएगा और पुरानी सड़कों का कायाकल्प किया जाएगा। पटियाला-पिहोवा मार्ग को भी आधुनिक बनाया जाएगा और दिल्ली से बेहतर संपर्क स्थापित करने के लिए इसे जल्द ही चार लेन में बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन आसान होगा और लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। राज्य स्तर पर सड़क निर्माण के बड़े लक्ष्य की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि 16,209 करोड़ रुपये की लागत से 44,920 किलोमीटर लंबी सड़कों के निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। यह पंजाब के इतिहास का सबसे बड़ा सड़क निर्माण कार्यक्रम है। इन सभी सड़कों पर पांच साल की रखरखाव नीति लागू होगी, जिससे उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

पानी के संरक्षण के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में 6,900 किलोमीटर लंबी 18,349 खालों को पुनर्जीवित किया गया है, जिससे दूरदराज के इलाकों तक पानी पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नहरी प्रणाली को पुनर्स्थापित करने के लिए 6,500 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं और पहली बार 1,444 गांवों को नहरी पानी उपलब्ध हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने नेशनल अचीवमेंट सर्वे 2024 में पहला स्थान प्राप्त किया है, जो राज्य के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में 740 छात्रों ने जेईई और 1,284 छात्रों ने नीट परीक्षा पास की है। राज्य में 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस खोले जा रहे हैं, जिनमें से 60 पहले ही शुरू हो चुके हैं। ये स्कूल छात्रों को उनकी रुचि और योग्यता के अनुसार शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। बिजली क्षेत्र में सुधारों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार धान के मौसम में किसानों को आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली आपूर्ति दी गई है।

24 लाख अभिभावकों ने मेगा पीटीएम में भाग लिया

उन्होंने यह भी बताया कि पहली बार 24 लाख से अधिक अभिभावकों ने मेगा पीटीएम में भाग लिया, जो शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता का संकेत है। सरकारी स्कूलों में अब मेडिकल और नॉन-मेडिकल सहित सभी स्ट्रीम उपलब्ध कराई जा रही हैं और छात्रों को जेईई, नीट, सीएलएटी तथा आर्म्ड फोर्सेज की तैयारी के लिए विशेष कोचिंग भी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा ही समाज में वास्तविक परिवर्तन ला सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुफ्त सुविधाएं अस्थायी राहत दे सकती हैं, लेकिन शिक्षा ही वह माध्यम है जो लोगों को स्थायी रूप से गरीबी से बाहर निकाल सकती है। उन्होंने शिक्षा को समाज के विकास की आधारशिला बताते हुए कहा कि यह अंधकार को दूर कर उजाला फैलाने का कार्य करती है। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उन्होंने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना का उल्लेख किया, जिसके तहत राज्य के 65 लाख परिवारों को स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक 30 लाख से अधिक लोगों को स्वास्थ्य कार्ड मिल चुके हैं और 1.65 लाख लोग इसका लाभ उठा चुके हैं।

दिव्यांग व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध: डॉ. बलजीत कौर

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 30 मार्च। मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार जहां अन्य वर्गों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, वहीं दिव्यांग व्यक्तियों तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और हेल्परों के कल्याण के लिए भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह बात सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कही। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार दिव्यांग व्यक्तियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और हेल्परों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका शीघ्र और प्रभावी समाधान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पंजाब भवन, चंडीगढ़ में दिव्यांग यूनियनों तथा आंगनवाड़ी वर्करों और हेल्परों की यूनियनों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि ये दोनों वर्ग राज्य के सामाजिक कल्याण ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और हेल्पर बच्चों और महिलाओं के कल्याण के लिए जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण सेवाएं दे रहे हैं, वहीं दिव्यांग व्यक्तियों का कल्याण और सशक्तिकरण भी सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

मंत्री ने बताया कि बैठक के दौरान यूनियनों की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना गया और विभाग तथा यूनियनों के बीच सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि जिन मांगों का समाधान विभागीय स्तर पर संभव है, उन्हें तुरंत निपटाया जाएगा, जबकि अन्य मुद्दों को सरकार स्तर पर उठाकर जल्द समाधान किया जाएगा। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार जन-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ कल्याणकारी वर्गों की जायज मांगों को हल करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, हेल्परों और दिव्यांग व्यक्तियों की जायज मांगों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा और उनके कल्याण के लिए और ठोस कदम उठाए जाएंगे।

इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव श्री गुरकीरत कृपाल सिंह, निदेशक श्रीमती शेना अग्रवाल, डिप्टी डायरेक्टरों सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

जगराओं में पुलिस की चौकसी पर बड़ा सवाल नाकाबंदी वाले चौक के पास ज्वेलरी शॉप से लाखों की चोरी

जगराओं 30 मार्च। जगराओं में झांसी रानी चौक के पास, रेलवे ओवरब्रिज की शुरुआत के पास और रिहैबिलिटेशन सेंटर के बगल में मौजूद प्रेम ज्वेल्स में बीती रात चोरी की एक बड़ी घटना सामने आई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, अनजान लोग पिछली दीवार तोड़कर दुकान में घुसे और सोने-चांदी की ज्वेलरी, कैश और दूसरे कीमती सामान को निशाना बनाने के बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी ले गए। इस घटना ने न सिर्फ एक ज्वेलरी शॉप की सिक्योरिटी पर, बल्कि पूरे इलाके में पुलिस की निगरानी और पेट्रोलिंग के इंतज़ाम पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लोकल बिजनेस कम्युनिटी का कहना है कि जहां आमतौर पर पुलिस की एक्टिविटी और नाकाबंदी रहती है, वहां ऐसी घटना होना अपने आप में चिंता की बात है। लोगों का सवाल है कि अगर चेकिंग और पेट्रोलिंग के बावजूद अनजान लोग दीवार तोड़कर इतनी आसानी से दुकान तक पहुंच सकते हैं, चोरी कर सकते हैं और सबूत मिटाने के लिए डीवीआर ले जा सकते हैं, तो आम व्यापारी अपने बिजनेस को कितना सेफ मानें? सुनयारा एसोसिएशन के प्रेसिडेंट बाल किशन ने बताया कि उन्हें इस घटना की जानकारी दुकान के मालिक अभिषेक ने दी। उनके मुताबिक, सुबह करीब 11 बजे जब अभिषेक ने दुकान खोली तो अंदर सामान बिखरा हुआ था। हालात देखकर चोरी का शक पक्का हो गया, जिसके बाद तुरंत सिटी पुलिस स्टेशन को इन्फॉर्म किया गया। बाल किशन ने बताया कि पहली नज़र में ऐसा लगता है कि इस घटना को प्लान करके अंजाम दिया गया है। उनके मुताबिक, अनजान लोग पीछे की दीवार तोड़कर अंदर घुसे और कीमती सामान समेटने के बाद डीवीआर भी ले गए, जिससे लगता है कि संभावित सबूतों को भी निशाना बनाया गया।

एक अप्रैल से शुरू होने वाले गेहूं खरीद के लिए तैयारियां पूरी

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 30 मार्च। जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रकों (डीएफएससी) को राज्य की मंडियों में बाहरी राज्यों से गेहूं की बिक्री पर कड़ी नजर रखने के निर्देश देते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक ने विशेष रूप से सीमावर्ती जिलों में सख्त निगरानी रखने को कहा है।

मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा 1 अप्रैल से शुरू हो रहे गेहूं खरीद सीजन को बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक संपन्न कराने के संकल्प को दोहराते हुए कैबिनेट मंत्री ने डीएफएससी को व्यक्तिगत रूप से मंडियों का दौरा कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि खरीद सीजन के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। डीएफएससी और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में आगामी खरीद सीजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए श्री कटारूचक ने अधिकारियों को प्रत्येक मंडी में साफ-सफाई, बिजली और स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री को अवगत कराया गया कि राज्य को अप्रैल माह के लिए 30,973 करोड़ रुपये की नकद ऋण सीमा (सीसीएल) प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त राज्य ने 122 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) गेहूं खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है, जबकि विभाग ने 132 एलएमटी गेहूं की खरीद के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। इन तैयारियों के तहत 1897 खरीद केंद्रों को अधिसूचित किया गया है और जिला स्तरीय खरीद समितियों (डीएलपीसी) से 266 अतिरिक्त अस्थायी यार्डों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। बारदाने (बोरी) के मुद्दे पर चर्चा करते हुए कैबिनेट मंत्री ने डीएफएससी को मंडियों में पर्याप्त मात्रा में बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा इसकी जिम्मेदारी निरीक्षकों को सौंपने के निर्देश दिए। फसल के भंडारण संबंधी मुद्दे पर कैबिनेट मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा पिछले सीजनों की उपज को उठाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार के समक्ष नियमित रूप से यह मुद्दा उठाया गया है, ताकि आगामी सीजनों की उपज के लिए पर्याप्त भंडारण स्थान उपलब्ध कराया जा सके। श्री कटारूचक ने डीएफएससी को निर्देश दिए कि वे भंडारण व्यवस्था के संबंध में अपने-अपने जिलों के उपायुक्तों (डीसी) के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखें और इस संबंध में मुख्यालय को नियमित रूप से अवगत कराते रहें। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को मंडियों में तिरपाल, लकड़ी के क्रेट आदि की भी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति के संबंध में भरोसा दिलाया और कहा कि विभाग इन वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तेल विपणन कंपनियों के साथ समन्वय बनाए हुए है।

जीरकपुर में 3 महीनों में काटे 13,561 चालान

पंचकूला ऑब्जर्वर

ज़ीरकपुर, 30 मार्च। शहर में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ज़ीरकपुर ट्रैफिक पुलिस ने नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ा अभियान चलाया। ट्रैफिक इंचार्ज मनफूल सिंह के नेतृत्व में जनवरी से मार्च तक कुल 13,561 चालान किए गए, जो पुलिस की सख्त कार्रवाई को दर्शाते हैं।

इस विशेष अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाना, सीट बेल्ट न लगाना, ओवरस्पीडिंग, गलत दिशा में वाहन चलाना, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल और अवैध पार्किंग जैसे उल्लंघनों पर खास नजर रखी गई। पुलिस टीमों ने शहर के प्रमुख चौकों, बाजारों और व्यस्त सड़कों पर लगातार नाकाबंदी कर नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की।

ट्रैफिक इंचार्ज मनफूल सिंह ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों को रोकने के लिए आम जनता का सहयोग जरूरी है और ट्रैफिक नियमों का पालन हर चालक की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व के साथ सुरक्षित ड्राइविंग के नियमों की जानकारी दी गई। स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर भी लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस पहल का समर्थन करते हुए उम्मीद जताई कि इससे सड़क हादसों में कमी आएगी। बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए पुलिस ने भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रखने की बात कही है।

नगर निगम फगवाड़ा का 4479.10 लाख का बजट पारित

पंचकूला ऑब्जर्वर

फगवाड़ा, 30 मार्च। पंजाब के नगर निगम फगवाड़ा ने मेयर राम पाल उप्पल की अध्यक्षता में सोमवार को सिटी क्लब में आयोजित बजट बैठक में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 4479.10 लाख रूपये का बजट पारित किया। बैठक में नगर निगम आयुक्त शिखा भगत, पार्षदों और अधिकारियों ने भाग लिया।

बजट में आय-व्यय का संतुलित अनुमान प्रस्तुत किया गया है, हालांकि मूलभूत सुविधाओं को लेकर चिंताएं भी सामने आईं। नगर निगम की कुल आय 4479.10 लाख रूपये आंकी गई है। राजस्व के प्रमुख स्रोतों में 750 लाख रूपये संपत्ति कर से तथा 2500 लाख रूपये वैट और जीएसटी हिस्सेदारी से प्राप्त होने का अनुमान है। इसके अलावा 60 लाख रूपये विज्ञापन कर, 620 लाख रूपये भवन नक्शा एवं नियमितीकरण शुल्क, 55 लाख रूपये लीज मनी और 494.10 लाख रूपये विभिन्न मदों में वसूली से प्राप्त होने की संभावना जताई गई है।

इससे स्पष्ट है कि निगम की आय मुख्यतः करों और सरकारी हिस्सेदारी पर निर्भर है।

व्यय पक्ष में 2812 लाख रूपये वेतन और स्थापना खर्चों के लिए निर्धारित किए गए हैं, जो कुल बजट का बड़ा हिस्सा है।

215.10 लाख रूपये आकस्मिक खर्चों के लिए रखे गए हैं। विकास कार्यों के लिए 1452 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है, जो कुल बजट का लगभग 32.4 प्रतिशत है।

बजट में स्वास्थ्य, सफाई, इंजीनियरिंग, जल आपूर्ति, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट, अग्निशमन सेवाएं आदि विभागों के लिए भी राशि निर्धारित की गई है।

विकास मद के अंतर्गत सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत, सीवरेज और ड्रेनेज सुधार, पार्कों का विकास, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, नगर निगम भवनों के रखरखाव तथा स्लम सुधार योजनाओं पर खर्च प्रस्तावित है। ईंधन, वाहन रखरखाव, कार्यालय व्यय और सार्वजनिक उपयोगिताओं के खर्च भी शामिल किए गए हैं। बैठक के दौरान कांग्रेस पार्षद संजीव बुग्गा ने शहर में कई बुनियादी समस्याओं को लेकर चिंता जताई।

गैंगस्टरों ते वार का 69वां दिन: पंजाब पुलिस ने 455 स्थानों पर की छापेमारी; 162 गिरफ्तार

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 30 मार्च। मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक 'गैंगस्टरों ते वार' मुहिम के 69वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित और मैप किए गए 455 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि ÷गैंगस्टरों ते वार÷ पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाया जा रहा एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष अभियान चला रही हैं। 69वें दिन पुलिस टीमों ने 162 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और 1 हथियार बरामद किया, जिससे इस अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 17,836 हो गई है।

इसके अलावा 54 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 107 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 4 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों संबंधी सूचना भी साझा कर सकते हैं।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपने अभियान ÷युद्ध नशों विरुद्ध÷ को 394वें दिन भी जारी रखते हुए आज 91 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 837 ग्राम हेरोइन, 2.6 किलोग्राम अफीम, 198 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 2500 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही केवल 394 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 56,193 हो गई है।

नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 24 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार के लिए प्रेरित भी किया है।

कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा को बड़ा झटका, दर्जनों जमीनी स्तर नेता आप में हुए शामिल

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 30 मार्च। पंजाब की राजनीति में एक बड़े बदलाव में, आम आदमी पार्टी (आप) को उस समय बड़ा बढ़ावा मिला जब कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल (बादल) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बड़ी संख्या में नेता अपनी पार्टियों को झटका देते हुए आप में शामिल हो गए। इन नेताओं को मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन ने पंजाब खादी वेलफेयर बोर्ड के चेयरमैन गगनदीप सिंह आहूजा की खास मौजूदगी में औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल किया और उनका स्वागत किया।

आप में शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं में साहिब सिंह छज्जलवडी (वाइस चेयरमैन, एससी विंग बाबा बकाला, पंजाब कांग्रेस), सर्बजीत कौर धालीवाल (जिला प्रधान विमेन विंग अमृतसर रूरल, कांग्रेस) के साथ-साथ कई दूसरे सीनियर कांग्रेसी पदाधिकारी और ज़मीनी स्तर के प्रतिनिधि शामिल हैं। शामिल होने वाले नेताओं की लिस्ट में पूर्व सरपंच, पंच, ब्लॉक लेवल के पदाधिकारी और सीनियर नेता जैसे सतजीत सिंह (डिस्ट्रिक्ट जनरल सेक्रेटरी, कांग्रेस अमृतसर रूरल), कुलदीप कौर (डिस्ट्रिक्ट महासचिल, कांग्रेस), जसकरण सिंह (महासचिव, कांग्रेस), डॉ. चरणजीत सिंह (पूर्व सिविल सर्जन, बटाला), नरिंदर शर्मा (ब्लॉक कांग्रेस प्रधान, अटारी), जोगिंदर सिंह (पूर्व पंच और भाजपा मंडल प्रधान), गुरप्रीत सिंह (मेंबर, ब्लॉक समिति), और कई मौजूदा और पूर्व सरपंच शामिल हैं, जिनमें करज सिंह (झीता कलां), कैप्टन (गांव बोहर), गुरजोबन सिंह (जहांगीर), केवल सिंह (फतेहगढ़ शुकरचक), और तरसेम सिंह (जेठूवाल) शामिल हैं। इसके अलावा, संतोख सिंह, दिलबाग सिंह (नंबरदार), दर्शन सिंह (मेहनियां), सेठू (मालेवाल), नवजोत सिंह, गुरप्रीत सिंह (सोहियां), हरदेव सिंह (पूर्व ब्लॉक समिति सदस्य), सुरजीत सिंह, बलजिंदर सिंह और गांव मेहनियां खुराना और आस-पास के इलाकों के दूसरे नेताओं जैसे बड़ी संख्या में पंच और जमीनी स्तर के प्रतिनिधि भी आप में शामिल हुए। दलजीत सिंह (ब्लॉक प्रेसिडेंट, अटारी), बलहार सिंह (ब्लॉक प्रेसिडेंट, मीरांकोट), साहिब सिंह (वाइस चेयरमैन, एससी विंग, बाबा बकाला), और गुरविंदर सिंह (एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट, यूथ अकाली दल, अमृतसर) समेत दूसरी पार्टियों के नेताओं ने भी आप को अपना सपोर्ट दिया। इस मौके पर बोलते हुए, राजबीर सिंह घुम्मन ने कहा कि अलग-अलग पार्टियों के नेताओं का पार्टी में लगातार शामिल होना, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की लोगों के हित में और विकास पर आधारित नीतियों में लोगों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है। नए शामिल हुए नेताओं ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की लीडरशिप पर भरोसा जताया और कहा, ÷हम आप सरकार की लोगों के लिए काम करने वाली पहल और पारदर्शी शासन से बहुत प्रभावित हैं। आप ही अकेली ऐसी पार्टी है जो सही मायने में समाज के हर वर्ग की भलाई के लिए काम कर रही है, जिसने हमें यह ज़रूरी राजनीतिक फैसला लेने के लिए प्रेरित किया है।

एक नजर

बाल श्रम के खिलाफ एक्शन, 5 बच्चे मुक्त, 4 दुकानदारों पर एफआईआर की सिफारिश

भिवानी. शहर में बाल मजदूरी की कुप्रथा पर लगाम कसने के लिए प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं ने मिलकर एक बड़ा सर्च अभियान चलाया। बचपन बचाओ आंदोलन के प्रदेश समन्वयक पुनीत शर्मा के नेतृत्व में जिला बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) और जिला टास्क फोर्स ने शहर के विभिन्न बाजारों और दुकानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान कुल 5 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया है। यह जानकारी देते हुए सीडब्लयूसी के सदस्य अधिवक्ता धीरज सैनी ने बताया कि जिला टास्क फोर्स ने शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने पाया कि कई दुकानों पर कम उम्र के बच्चों से मजदूरी कराई जा रही थी। रेस्क्यू किए गए बच्चों में एक बच्चा बालिक भी मिला। सीडब्ल्यूसी भिवानी के चेयरमैन एडवोकेट प्रदीप सिंह तंवर ने इस कार्रवाई पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि बच्चों का स्थान कार्यस्थलों पर नहीं, बल्कि स्कूलों में है। बाल श्रम ना केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह एक मासूम का भविष्य अंधकार में धकेलता है। हमने रेस्क्यू किए गए बच्चों को संरक्षण में ले लिया है और उनकी काउंसलिंग की जा रही है। वही अभियान के दौरान कानून का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया गया है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में किसी भी ढाबे, दुकान या वर्कशॉप पर बाल श्रमिक पाया गया, तो मालिक के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। बचपन बचाओ आंदोलन के प्रदेश समन्वयक पुनीत शर्मा ने बताया कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट और चाईल्ड लेबर एक्ट के उल्लंघन के तहत 4 दुकानदारों के खिलाफ सहायक श्रम आयुक्त को एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश भेज दी गई है। पुनीत शर्मा ने कहा कि बचपन बचाओ आंदोलन का लक्ष्य हर बच्चे को सुरक्षित बचपन देना है। उन्होंने बताया कि टीम ने लेबर विभाग और पुलिस के साथ मिलकर यह सुनिश्चित किया है कि दोषियों को बख्शा न जाए। हम जिला प्रशासन के साथ मिलकर भिवानी को बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अभियान के दौरान सीडब्ल्यूसी के अन्य सदस्य सतेंद्र तंवर, नीलम रानी, दिनेश अत्री, एडवोकेट धीरज सैनी भी मौजूद रहे।

पूर्व सांसद चौधरी जंगबीर सिंह के निधन पर गमगीन हुआ भिवानी

भिवानी. क्षेत्र के प्रख्यात सामाजिक नेता एवं पूर्व सांसद चौधरी जंगबीर सिंह के निधन पर पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। हरियाणा प्रदेश के लोगों ने उन्हें नम आंखों से याद कर उनके प्रति गहरी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गीता मनीषी ज्ञानानंद जी महाराज ने उनके सुपुत्र कमल प्रधान को फोन पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होनें कहा कि चौधरी जंगबीर सिंह एक ऐसे जननायक थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों के लिए समर्पित कर दिया। चरखी दादरी से विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने कहा कि वे हमेशा गरीब, किसान, मजदूर और वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए संघर्षरत रहे। भाजपा नेता वरुण श्योराण ने कहा कि चौधरी साहब की सादगी, ईमानदारी और जनसेवा के प्रति समर्पण उन्हें आम लोगों के बीच अत्यंत प्रिय बनाता था। इस मौके पर शिक्षा बोर्ड चेयरमैन डॉ पवन शर्मा ने बताया कि अपने राजनीतिक जीवन के साथ-साथ उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में भी अनेक महत्वपूर्ण योगदान दिए। वेश कॉलेज के प्राचार्य प्रोफ़ेसर संजय गोयल ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उनके प्रयास हमेशा याद किए जाएंगे। पूर्व विधायक शशि रंजन परमार और पूर्व विधायक मेजर नरेंद्र सांगवान ने संयुक्त रूप से कहा कि चौधरी जगबीर सिंह ने समाज में एकता, भाईचारा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने का कार्य किया। श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि चौधरी जंगबीर सिंह जैसे व्यक्तित्व विरले ही होते हैं, जो समाज के लिए प्रेरणा बनकर हमेशा जीवित रहते हैं। कांग्रेस जिला प्रधान प्रदीप गुलिया ने कहा कि चौधरी जंगबीर सिंह का जीवन युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगा और देशहित में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा।

पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

भिवानी. हरियाणा गवर्नमेंट पी.डब्ल्यू.डी. मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन (रजि. नं. 41) से संबंधित सर्व कर्मचारी संघ की अर्ध-शहरी और फील्ड शाखाओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को स्थानीय विद्या नगर स्थित कार्यकारी अभियंता डिवीजन नंबर-1 के कार्यालय के समक्ष कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया। धरने का संचालन मुख्य रूप से शाखा सचिव प्रवीण कुमार ने किया, जबकि अध्यक्षता शाखा कोषाध्यक्ष बिजेंद्र शर्मा द्वारा की गई। इस विरोध प्रदर्शन में यूनियन के कई बड़े चेहरे शामिल हुए, जिनमें जिला प्रधान अनिल बागड़ी,ख्भूतपूर्व राज्य कमेटी नेता ओमप्रकाश शेखावत, राज्य उपप्रधान सुरजभान जटसारा, राज्य संगठन सचिव सुशील आलमपुर शामिल रहे। धरने को संबोधित करते हुए राज्य संगठन सचिव सुशील आलमपुर ने अधिकारियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यकारी अभियंता और उपमंडल अभियंता कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान में कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं। क्षेत्र के सभी डिस्पोजलों पर मशीनरी खराब पड़ी है, जिससे काम करने में भारी कठिनाई आ रही है। जिला प्रधान अनिल बागड़ी ने भी प्रशासन की कार्यप्रणाली की कड़ी निंदा की। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को सरसों का तेल और साबुन जैसी बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल रही हैं। सबसे गंभीर मुद्दा हरियाणा कौशल रोजगार निगम के 11 कर्मचारियों का है, जिन्हें पिछले 12 महीनों से वेतन नहीं मिला है। इसके अलावा सेक्शन पर तैनात अन्य कर्मचारियों का वेतन भी लंबे समय से बकाया है। यूनियन के वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश शेखावत ने प्रशासन को स्पष्ट अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर समय रहते कर्मचारियों की जायज मांगों को पूरा नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में तमाम सीवरेज व जल सप्लाई बाधित कर दी जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी। इस विरोध प्रदर्शन में फील्ड ब्रांच प्रधान राजकुमार चांगिया, सचिव विजय आसलवास, शहरी ब्रांच प्रधान नरेन्द्र शर्मा और कोषाध्यक्ष रामनिवास, ब्रांच प्रधान सुंदर हालुवास, रमन, पप्पू, अजमेर, सुरेंद्र, सूरज, विशाल, गुरबचन सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, यह धरना जारी रहेगा।

भगवान महावीर का जन्मोत्सव मनाया

कुरूक्षेत्र. श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी जी का जन्मोत्सव बड़ी धूम धाम से श्री दिगम्बर जैन मंदिर नजदीक ब्रह्मसरोवर में मनाया गया इस अवसर पर श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी की पूजा के पश्चात महिलाओं द्वारा कलश शोभा यात्रा निकाली गई ! सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर धर्म चन्द्र जैन ने की मंदिर के हाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए जिसमें भगवान महावीर से संबंधित नाटक नृत्य प्रश्नोत्तरी द्वारा जानकारी दी गई ! सर्व प्रथम श्री दिगम्बर जैन सभा कुरुक्षेत्र के प्रधान, डॉक्टर धर्म चंद्र जैन ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया एवं श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी जी का जन्मोत्सव मानाने की सार्थकता को समझाते हुए भगवान महावीर का संक्षिप्त परिचय दिया । जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे।

भाविप के नारी सम्मान समारोह में अनीता सिंह सहित 20 महिलाएं सम्मानित

मोदी महिलाओं के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धः राज्यपाल

पंचकूला ऑब्जर्वर

करनाल. भारत विकास परिषद की कर्ण शाखा की ओर से आज यहां डा. मंगलसेन ऑडिटोरियम में नारी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में राज्यपाल असीम कुमार घोष ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया।

उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 20 महिलाओं को सम्मानित किया। समारोह के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आयोजकों ने ऐसी महिलाओं को सम्मानित करने का निर्णय लिया जिन्होंने अपने परिवार के साथ-साथ समाज के विकास के लिए अहम योगदान दिया है। समाज का यह दायित्व है कि वह महिलाओं की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करे। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं के कल्याण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

भारत विकास परिषद ने समाज हित में बहुत कुछ किया है।

वे संगठन से अपेक्षा करते हैं कि कर्तव्यों का पालन करते हुए पड़ोसी जिलों की महिलाओं के कल्याण में भी योगदान दे। इस मौके पर स्थानीय विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि भारत विकास परिषद समाज को कुछ देने की सोच को जन्म देती है। समाज ने हमें बहुत कुछ दिया है। कोई पार्षद, मेयर तो कोई विधायक व मंत्री अथवा मुख्यमंत्री बना।

राजनीतिक तौर से हट कर देखें तो समाज में बड़े-बड़े औद्योगिक घराने और उद्योगपति भी हैं। अनेक लोग समाज सुधार के कार्य में भी जुटे हैं।

हम समाज को क्या लौटा रहे हैं यह भारत विकास परिषद जैसी संस्थाओं से सीखना चाहिए। इस मौके पर मेयर रेणु बाला गुप्ता ने समाज के विभिन्न वर्गों के लिए किए गए कार्यों के लिए भारत विकास परिषद की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भी चाहते हैं कि और अधिक महिलाएं आगे आएं।

उन्होंने सम्मानित हुई महिलाओं को शुभकामनाएं व बधाई दी। इन्हें किया सम्मानित - राज्यपाल ने इस मौके पर अदिति शर्मा, नीलू सैनी, रिचा चावला, डा. सुजाता शर्मा, एष्णा कल्याण, अंजू चौधरी, ऋषिका कुकरेजा अरोड़ा, नीलम मदान, विभा चुघ, डा. नेहा खंडूजा, रोनी रमन, तूलिका गर्ग, डा. आशिमा गक्खड़, संजोली बनर्जी, दीक्षा गोयल, डा. कीर्ति गुप्ता, शशि आर्या, डा. एकता अरोड़ा, अनीता सिंह और कविता।

समारोह की अध्यक्षता भारत विकास परिषद की क्षेत्रीय महिला सहभागिता प्रमुख ने की। इस मौके पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष, जिला भाजपा अध्यक्ष प्रवीण लाठर, हरियाणा वेलफेयर सोसायटी(वाक एवं श्रवण बाधित) की चेयरपर्सन मेघा भंडारी, एचएसएससी के सदस्य कपिल अत्रेजा, निदेशक ओपीएस विद्या मंदिर ईशा बंसल, अखिल भारतीय कश्यप राजपूत पंजाबी वेल्फेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अनूप भारद्वाज ज्योति चौधरी, जिला परिषद के सीईओ अमित, बीडीपीओ सोमवीर खटकड़ आदि मौजूद रहे।

तार्किक अभिरूचि विषय पर व्याख्यान आयोजित

रादौर. मुकंदलाल कॉलेज के वाणिज्य विभाग की ओर से सोमवार को तार्किक अभिरुचि विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में जे.एम.आई.टी रादौर की सहायक प्राध्यापिका सुश्री दिशा उपस्थित रहीं। सुश्री दिशा ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में तार्किक अभिरुचि के महत्व, प्रश्नों को शीघ्र एवं सही तरीके से हल करने की तकनीकों व समय प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उनके व्याख्यान से विद्यार्थियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त हुआ, बल्कि उन्होंने कई महत्वपूर्ण टिप्स भी साझा किए, जो भविष्य की परीक्षाओं में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. माला शर्मा ने अपने संदेश में कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के लिए तैयार करते हैं।

वाणिज्य विभागाध्यक्ष पूजा वर्मा ने कार्यक्रम के आयोजन में विभाग की सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थियों को व्यावहारिक एवं प्रतियोगी दृष्टिकोण प्रदान करना विभाग की प्राथमिकता है।

कच्चे कर्मचारियों की मांगों को लेकर 20 मई को बिजली मंत्री आवास पर घेराव की तैयारी

घरौंडा. ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन के आह्वान पर सिटी सब यूनिट में बैठक आयोजित की गई, जिसमें कच्चे कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर आंदोलन की रणनीति बनाई गई। बैठक में 20 मई को बिजली मंत्री के आवास पर प्रदर्शन और घेराव करने का निर्णय लिया गया। कर्मचारियों ने कहा कि लंबे समय से उनकी मांगें पूरी नहीं हो रही हैं, जिससे उनमें रोष है। बैठक की अध्यक्षता सब यूनिट प्रधान जयकुमार ने की, जबकि संचालन सब यूनिट सचिव साहिल सैनी ने किया। इस दौरान राज्य कमेटी सदस्य रमेश कुमार और यूनिट प्रधान सजिल कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे। सभी पदाधिकारियों ने कर्मचारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में मुख्य रूप से उन कर्मचारियों का मुद्दा उठाया गया, जो पिछले 10 साल से लगातार कार्य कर रहे हैं। कर्मचारियों ने मांग रखी कि कोर्ट के आदेश अनुसार ऐसे साथियों को बिना किसी शर्त के एकमुश्त पक्का किया जाए। जब तक उन्हें पक्का नहीं किया जाता, तब तक समान काम के बदले समान वेतन लागू किया जाए। कर्मचारियों ने यह भी मांग रखी कि कच्चे कर्मचारियों को पक्के कर्मचारियों के समान सभी प्रकार के भत्ते दिए जाएं। सभी ने एकजुट होकर 20 मई के प्रदर्शन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

धान घोटाले पर यूनियन का प्रदर्शन, सीबीआई जांच की मांग तेज

पंचकूला ऑब्जर्वर

पिहोवा. पिहोवा में कथित धान घोटाले को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने सोमवार को एसडीएम कार्यालय के सामने जोरदार रोष प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। इसके बाद यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम पिहोवा को उपायुक्त कुरुक्षेत्र और पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसान यूनियन ने पिहोवा मंडी में धान खरीद के दौरान बड़े स्तर पर हुए घोटाले की सीबीआई या विजिलेंस ब्यूरो से जांच करवाने की मांग की है। यूनियन का आरोप है कि यह घोटाला करोड़ों रुपये का है और इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, आढ़ती और राइस मिलर शामिल हो सकते हैं। किसान यूनियन ने ज्ञापन में कहा कि पिहोवा में धान घोटाले का मुद्दा लंबे समय से उठाया जा रहा है। हाल ही में दो राइस मिलों में अनियमितताएं मिलने के बाद एफआईआर भी दर्ज की गई है, लेकिन इससे पूरे मामले की सच्चाई सामने नहीं आई है। यूनियन का कहना है कि इस घोटाले की जड़ तक पहुंचने के लिए उच्चस्तरीय जांच आवश्यक है।

उन्होंने मांग की कि पहले से दर्ज एफआईआर की जांच किसी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी से करवाई जाए, ताकि निष्पक्षता बनी रहे। साथ ही पिहोवा मंडी में हुई पूरी धान खरीद प्रक्रिया की जांच सीबीआई या विजिलेंस ब्यूरो से करवाई जाए। प्रदर्शन के दौरान यूनियन नेताओं ने हाल ही में वायरल हुई तीन ऑडियो क्लिप्स और एक कथित हिसाब-किताब दस्तावेज का भी जिक्र किया।

इन ऑडियो क्लिप्स में कथित तौर पर 15,000 रुपये प्रति मिल एकत्र कर पीवी (फिजिकल वेरिफिकेशन) टीम को देने की बात कही जा रही है।यूनियन ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि यह एक संगठित भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। उन्होंने मांग की कि इन ऑडियो क्लिप्स की साइबर सेल से जांच करवाई जाए, ताकि यह पता चल सके कि आवाज किसकी है और इन्हें किसने वायरल किया। इसके अलावा सोशल मीडिया पर वायरल हुए दस्तावेज की भी फॉरेंसिक जांच की मांग की गई है, जिसमें कथित रूप से विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को पैसे देने का विवरण दर्ज है। यूनियन का कहना है कि यदि यह दस्तावेज सही है तो यह पूरी मंडी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।ज्ञापन में चौघटी राइस मिल में दर्ज एफआईआर नंबर 79 का भी उल्लेख किया गया। यूनियन के अनुसार, इस मिल में फर्जी बिलिंग का मामला सामने आया है, जिसमें कागजों में धान की आवक और निकासी दिखाई गई, जबकि वास्तविकता मेंफर्जी एंट्री और पोर्टल का दुरुपयोग फर्जी गाड़ी दिखाई गई है।

आपदा प्रबंधन में उच्च शिक्षण संस्थानों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

भिवानी. चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान एवं वीईआरसीएस के संयुक्त तत्वावधान में कुलगुरु प्रो. दीप्ति धर्माणी के निर्देशन में आपदा प्रबंधन में उच्च शिक्षण संस्थानों की भूमिका विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. जितेंद्र भारद्वाज की गरिमामय उपस्थिति में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कुलसचिव एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जियोफिजिक्स विभाग के चेयरमैन प्रो. भगवान सिंह चौधरी उपस्थित रहे।

साथ ही विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ. प्रीति सोनी एवं डॉ. ऋतु ने भी सहभागिता की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. भगवान सिंह चौधरी ने कहा कि आपदा प्रबंधन के प्रति प्रत्येक नागरिक का जागरूक एवं प्रशिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बाढ़, भूकंप, भूस्खलन, चक्रवात, सुनामी एवं तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारणों, प्रभावों तथा उनके प्रबंधन के विभिन्न उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने जियो-एआई आधारित आपदा प्रबंधन, वाटरशेड प्रबंधन एवं फ्लड मैनेजमेंट के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

पैनल चर्चा के दौरान प्रो. जित कुमार गुप्ता ने आपदा-रोधी (डिजास्टर रेजिलिएंट) भारत के निर्माण में योजनाओं एवं विभिन्न संस्थानों की भूमिका तथा स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित योजना निर्माण के महत्व को रेखांकित किया। वहीं हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के पूर्व निदेशक डॉ. वी. एस. आर्य ने आपदा प्रबंधन में जियोस्पेशियल तकनीकों के एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया तथा हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र द्वारा आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन के लिए किए गए विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी।

कुलसचिव डॉ. जितेंद्र भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा कि हमें प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने के बजाय उसके साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने चाहिए, ताकि प्राकृतिक आपदाओं से मानव जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

घोषणाओं के जाल में उलझा एससी समाज, पूर्व जिला पार्षद ईश्वर मान ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

- केबिनेट मंत्री की घोषणा के बावजूद भी नहीं बना एससी समाज के लिए छात्रावास
- गांव मुंढ़ाल खुर्द में पिछले 10 वर्षो से उदासीनता का शिकार है महर्षि ववाल्मीकि आश्रम

पंचकूला ऑब्जर्वर

भिवानी. हरियाणा की राजनीति में एससी और पिछड़ा वर्ग के उत्थान के दावे तो बहुत किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर सच्चाई इसके उलट नजर आ रही है। पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह मान ने प्रशासन और सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए दो प्रमुख मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार कुंभकरणी नींद सो रही है और एससी समाज की जायज मांगों को अनसुना किया जा रहा है।

ईश्वर मान ने समाधणान शिविर में दी शिकायत में बताया कि 21 नवंबर 2024 को कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने भिवानी के पंचायत भवन में एससी समाज के लिए एक वातानुकूलित छात्रावास बनाने की भव्य घोषणा की थी। इस घोषणा के दौरान विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि भी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि घोषणा हुए लगभग डेढ़ साल बीत चुका है, लेकिन प्रशासन ने अभी तक एक कदम भी आगे नहीं बढ़ाया है। यह समाज के साथ सीधा धोखा है। चंडीगढ़ में बैठे उच्च अधिकारी और कुछ स्वार्थी नेता इस फाइल को आगे नहीं बढने् दे रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इस पर कार्रवाई नहीं हुई, तो समाज इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने सुझाव भी दिया कि हांसी रोड पर रेड रॉबिन खाली पड़ी जगह पर इस छात्रावास का निर्माण किया जा सकता है। वही दूसरी शिकायत गांव मुढाल खुर्द से जुड़ी रह, जहां महर्षि वाल्मीकि आश्रम की इमारत पिछले 10 वर्षों से सरकारी उदासीनता का शिकार है। मान का आरोप है कि विधायक विशंबर वाल्मीकि ने अपने पहले कार्यकाल में इसकी ग्रांट दिलवाई थी, लेकिन आश्रम आज भी अधूरा है। 2019 और फिर 2024 में नए विधायक और मंत्री बनने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। मान ने मांग की कि आश्रम की चारदीवारी, खिड?ी, दरवाजे और सफेदी का कार्य तुरंत पूरा किया जाए, गांव के जोहड़ के पास हुए अवैध कब्जों को हटाकर वहां जनहित के कार्य किए जाएं। ईश्वर मान ने अपने पत्रों में कड़े शब्दों का प्रयोग करते हुए कहा कि वे पिछले 9 महीनों से लगातार आवेदन कर रहे है।

खेलों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए प्रदेश में 4500 खेल नर्सरियां की स्थापित : गुलाब सिंह सैनी

हरियाणा गौरव अवार्ड से नवाजे गए मोहित यादव सहित खेल और समाज सेवा के 110 से अधिक सितारे

पंचकूला ऑब्जर्वर

भिवानी. छोटी काशी भिवानी की धरती पर रविवार को प्रतिभा और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। स्थानीय कोंट रोड, मिनी बाईपास काली माता मंदिर रोड स्थित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर परिसर में नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था द्वारा हरियाणा गौरव अवार्ड-2026 का आयोजन किया गया। नंदलाल चावला मेमोरियल ट्रस्ट (रजि.) के संयोजन में आयोजित इस समारोह ने उन हस्तियों को एक मंच पर लाने का काम किया, जिन्होंने अपने पसीने और सेवा भाव से प्रदेश का मान बढ़ाया है। समारोह में एशियन कबड्डी फेडरेशन के चेयरमैन गुलाब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री एवं विधायक घनश्याम सर्राफ ने की

तथा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता धर्मेंद्र जिंदल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन बिजेश जावला, मास्टर मनोज सैनी ने किया। संस्था के मीडिया कोऑर्डिनेटर सुरेश सैनी व ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद चावला ने बताया कि कार्यक्रम में उन प्रतिभाशाली खिलाडियों, कोचों, सामाजिक संस्थाओं एवं प्रबुद्ध व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, प्रधानमंत्री द्वारा नेशनल स्टार्टअप से सम्मानित मोहित यादव जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान कुल 110 सम्मान वितरित किए गए। जिसमें 45 राष्ट्रीय खिलाड़ी, 10 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, 35 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कोच, 10 सामाजिक संस्थाएं तथा 10 प्रबुद्ध सामाजिक व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। सुरेश सैनी ने कहा कि नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था समय-

समय पर ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में सकारात्मक सोच, सेवा भावना और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का कार्य करती रही है। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एशियन कबड्डी फेडरेशन के चेयरमैन गुलाब सिंह सैनी ने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि आज भारत की असली ताकत उसकी 65 प्रतिशत युवा जनसंख्या है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें खेलों को जमीनी स्तर पर मजबूत कर रही हैं। अकेले हरियाणा में लगभग 4500 खेल नर्सरियां स्थापित की गई हैं, ताकि जूनियर स्तर से ही खिलाडि?ं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के मेडल के लिए तराशा जा सके। इस मौके पर सैनी ने कबड्डी प्रेमियों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि 7 मई से मलेशिया में महिला व पुरुष सर्कल कबड्डी का आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने ढाका और बहरीन का उदाहरण देते हुए कहा कि एशिया कबड्डी फेडरेशन आने वाले समय में इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। वही समारोह की अध्यक्षता कर रहे विधायक एवं पूर्व मंत्री घनश्याम सर्राफ एवं अति विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता धर्मेंद्र जिंदल ने कहा कि युवाओं को केवल प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि प्रोत्साहन की भी आवश्यकता होती है। खेल कोटे के माध्यम से सरकारी नौकरियों में मिल रहे अवसर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित कर रहे हैं। कार्यक्रम के मीडिया कोऑर्डिनेटर सुरेश सैनी और ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद चावला ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सही दिशा और मंच प्रदान करना है। संस्था का मानना है कि जब एक खिलाड़ी या समाजसेवी को मंच पर सम्मानित किया जाता है, तो उससे सैकड़ों अन्य युवाओं को प्रेरणा मिलती है।

रीढ़ की हड्डी को बेहतर और लचीला बनाने के लिए रोज करें पार्श्वोत्तानासन

पारंपरिक योग में शरीर के लचीलेपन और मन की शांति बनाए रखने के लिए कई आसन महत्त्वपूर्ण हैं। इन्हीं में से एक है पार्श्वोत्तानासन। यह आसन न सिर्फ शरीर को मजबूत बनाता है बल्कि मानसिक एकाग्रता भी बढ़ाता है। पार्श्वोत्तानासन को अंग्रेजी में इंटेंस साइड स्ट्रेच पोज कहते हैं। यह हठयोग का एक महत्वपूर्ण और मूलभूत आसन माना जाता है, जो रीढ़ की हड्डी, हैमस्ट्रिंग और पीठ के निचले हिस्से के लिए अत्यंत लाभकारी है। पश्चिमोत्तानासन एक संस्कृत शब्द है, जिसमें पश्चिम का अर्थ होता है, उत्तान और आसन का अर्थ है मुद्रा। यह एक तीव्र स्ट्रेच है जो हैमस्ट्रिंग्स, पीठ के निचले हिस्से और रीढ़ की ओर फैलता है।

आयुष मंत्रालय ने इसके महत्व पर प्रकाश डाला है। आयुष मंत्रालय (सामान्य योग प्रोटोकॉल) के अनुसार, पार्श्वोत्तानासन जिसे तीव्र पार्श्व खिंचाव मुद्रा या पिरामिड पोज भी कहते हैं, एक खड़े होकर आगे झुकने वाला योग आसन है। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने, पैरों और कूल्हों को स्ट्रेच करने, पाचन में सुधार करने और शारीरिक संतुलन व लचीलापन बढ़ाने में बहुत प्रभावी है। इसे करना बेहद आसान है। करने के लिए सबसे पहले ताड़ासन में सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों को सामने सीधा फैलाकर बैठें। इसके बाद रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें और फिर सासं भरते

हुए दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और रीढ़ को ऊपर की ओर खींचें। इसके बाद सांस छोड़ते हुए कूल्हों के जोड़ से आगे झुकें। फिर रीढ़ को सीधा रखते हुए आगे बढ़ें और पैर के अंगूठों को पकड़ने या छूने का प्रयास करें। ऐसे में पैर को सीधा रखकर शरीर के पिछले हिस्से में खिंचाव आता है, फिर 20 से 60 सेकंड तक लंबी गहरी सांसें लेते हुए इस अवस्था में रुकें और सांस भरते हुए धीरे-धीरे सिर और धड़ को ऊपर उठाएं और अपने दोनों हाथों को नीचे लाएं।

मोहनलाल के साथ अपनी 100वीं फिल्म करेंगे प्रियदर्शन

प्रियदर्शन ने बतौर निर्देशक 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' से डेब्यू किया था। अब प्रियदर्शन अपनी 100वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं। अपनी 100वीं फिल्म में प्रियदर्शन उसी अभिनेता के साथ काम करेंगे, जिनके साथ उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म की थी।

प्रियदर्शन और मोहनलाल की जोड़ी बहुत खास है, क्योंकि मोहनलाल ने प्रियदर्शन की पहली फिल्म 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' में भी मुख्य भूमिका निभाई थी। अब उनकी 100वीं फिल्म में भी मोहनलाल हीरो होंगे।

किस पर आधारित होगी फिल्म

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म का नाम अभी नहीं तय हुआ है। यह कॉमेडी नहीं, बल्कि एक म्यूजिकल फिल्म हो सकती है। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद है। हो सकता ही कि इस फिल्म की शूटिंग 2026 में ही शुरू हो जाए। इस फिल्म को एंटनी पेरुंबावूर की कंपनी बनाएगी। बिनु जॉर्ज अलेक्जेंडर इसके सह-निर्माता हैं।

मोहनलाल का पोस्ट

मोहनलाल ने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म को लेकर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि यह पल सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सभी लोगों का है जो इस सफर के गवाह बने। उन्होंने प्रियदर्शन को बधाई दी और कहा कि 100 फिल्में सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि जुनून, लगन और सिनेमा के जादू की पूरी जिंदगी हैं। वह इस ऐतिहासिक फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश और सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

प्रियदर्शन की डेब्यू फिल्म 'पूचक्कोरु मूक्कुथी'

साल 1984 में 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' नाम की कॉमेडी फिल्म से प्रियदर्शन ने निर्देशक के तौर पर डेब्यू किया था। अपनी पहली ही फिल्म में उन्होंने मोहनलाल को हीरो चुना था। उस दिन से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में दोनों का साथ शुरू हुआ, जो अब उनकी 100वीं फिल्म तक जा पहुंचा है।

कंफर्ट जोन से बाहर आकर एक्शन-कॉमेडी फिल्में करना चाहती हैं शालिनी पांडे

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने अपने करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्मों और सीरीज में काम किया है। अब अभिनेत्री की इच्छा एक्शन फिल्म में काम करने की है। 'धुरंधर' को अपनी मौजूदा पसंदीदा फिल्म बताते हुए शालिनी ने इन दो कलाकारों को अपना फेवरेट बताया और काम करने की इच्छा जताई। एक्ट्रेस ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर भी बात की। बातचीत में शालिनी पांडे ने कहा कि मैं इतनी महत्वाकांक्षी हूं कि मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ करना चाहती हूं। मैंने जीवन भर खेल खेले हैं और मुझे खेल बहुत पसंद हैं, इसलिए मुझे लगता है कि मैं एक एक्शन फिल्म में काम करना चाहूंगी। मुझे एक्शन पसंद है। मुझे इसका रोमांच बहुत अच्छा लगता है। इसलिए एक्शन ही वह चीज है जो मैं करना चाहती हूं। अभिनेत्री ने आगे कॉमेडी जॉनर को लेकर कहा कि कॉमेडी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे मैं पूरी तरह से एक्सप्लोर करना चाहती हूं क्योंकि एक दर्शक के रूप में मुझे ये चीजें पसंद आती हैं। मुझे लगता है कि एक्शन और कॉमेडी दोनों ही तरह के रोल मुझे पसंद हैं। मैं ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हूं जो एक एक्टर के रूप में मुझे प्रेरित करें, जो मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए प्रेरित करें। ऐसा नहीं है कि मैं जहां भी हूं वहां बहुत सहज होने की कोशिश नहीं करती, लेकिन एक एक्टर के रूप में मैं खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां मेरा विकास बिल्कुल न हो रहा हो।

ऋतिक और रणवीर को बताया अपना फेवरेट एक्टर

किस तरह के कलाकार के साथ काम करने के सवाल पर शालिनी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका मिले जो मेरा पूरक हो और मैं उस व्यक्ति का पूरक बन सकूं। वहीं एक्टर को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे सबसे पहले रणवीर सिंह एक अभिनेता के रूप में बहुत पसंद हैं। मैंने 'धुरंधर' देखी है, जो मेरी हाल की पसंदीदा फिल्मों में से एक है, इसलिए मुझे लगता है कि वह हर तरह की भूमिका में अच्छे हो सकते हैं। इसके अलावा ऋतिक रोशन भी इस लिस्ट में हैं, क्योंकि मैंने उन्हें बचपन से ये सब करते देखा है। मुझे लगता है कि सबसे पहले इन्हीं दो लोगों का नाम आता है।

आखिरी बार इस सीरीज में नजर आई थीं शालिनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शालिनी ने बॉलीवुड में डेब्यू रणवीर सिंह के ही साथ किया। 2022 में रणवीर के साथ फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा है। वो आखिरी बार इसी साल आई फिल्म 'राहु केतु' और सीरीज 'बैंडवाले' में नजर आई हैं।

ओटीटी पर स्ट्रीम होगी मोना सिंह और मिहिर आहूजा की नई वेब सीरीज 'मां का सम'

मोना सिंह और मिहिर आहूजा वेब सीरीज 'मां का सम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। मोना और मिहिर के अलावा इस सीरीज में अंगिरा धर और रणवीर बराड़ भी अहम किरदार में नजर आएंगे। जानें किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी सीरीज? 'मां का सम' एक नई वेब सीरीज है। जिसका निर्देशन निकोलस खारकोंगोर ने किया है। इस सीरीज में मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका में मिहिर आहूजा नजर आएंगे। यह सीरीज 3 अप्रैल 2026 को प्राइम वीडियो रिलीज हो रही है। इस सीरीज की कहानी अगस्त्य नाम के एक होनहार टीनएज लड़के की है, जिसे मिहिर आहूजा ने निभाया है। अगस्त्य बहुत अच्छा मैथ्स का स्टूडेंट है। वह पूरी दुनिया को नंबर्स, ग्राफ और लॉजिक के नजरिए से देखता है। उसकी सिंगल मां विनीता का रोल मोना सिंह ने निभाया है।

अदिवी ने की को-स्टार मृणाल ठाकुर की तारीफ

अदिवी शेष की फिल्म 'डकैत' इन दिनों चर्चा में है। हालांकि, फिल्म जितनी अपनी कहानी को लेकर सुर्खियों में है, उससे ज्यादा इसकी कास्टिंग में आए बदलाव को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। शुरुआत में इस फिल्म का हिस्सा रहीं श्रुति हासन बीच में ही बाहर हो गईं, जिसके बाद मृणाल ठाकुर की एंट्री हुई। मृणाल ठाकुर की एंट्री पर अदिवी शेष बताते हैं, 'श्रुति के जाने के बाद हमने मृणाल को फिल्म सुनाई। सुबह 10 बजे हमने उन्हें पिच किया और दोपहर 1 बजे तक उन्होंने हाँ कह दी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आमतौर पर जवाब आने में हफ्ते या महीने लग जाते हैं, लेकिन उन्होंने तुरंत दिल से कहा कि उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई।' वह कहते हैं, 'मृणाल बहुत खूबसूरत, टैलेंटेड और बेहद डाउन टू अर्थ हैं। उनसे बात करना बहुत आसान है, वो बहुत स्वीट हैं। मैं कहूंगा कि फिल्म में वो इसकी सोल हैं, जबकि मैं गुस्सा और फ्यूरी वाला हिस्सा हूं।'

सेट पर चोटिल हो गए थे अदिवी-मृणाल

एक किस्सा शेयर करते हुए वह बताते हैं, 'एक एक्शन सीन के दौरान हम दोनों को चोट लग गई थी। सीन में मुझे उन्हें उठाकर चलना था, लेकिन मैं पत्थर पर ट्रिप कर गया और हम दोनों गिर गए। उन्हें बैक स्प्रेन हो गया और मुझे भी चोट आई। आज भी वो मजाक में कहती हैं, 'देखो आपने क्या किया...'और अपना निशान दिखाती हैं। अब वो मजाक लगता है, लेकिन उस वक्त हम काफी डर गए थे। शूटिंग कुछ समय के लिए रुक गई थी और रिलीज प्लान भी आगे बढ़ाना पड़ा था।'

वामिका गब्बी बनीं मेकर्स की पहली पसंद

अक्षय कुमार के साथ 'भूत-बंगला' से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि 7 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो कॉमेडी से लेकर एक्शन के जॉनर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका 'भूत-बंगला' के साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका 4 साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह 'टिकी टाका' फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं। फिल्म पहली 2025 में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी' में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी। इसके अलावा वामिका 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' और 'पति पत्नी और वो दो' में दिखने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल है, जबकि 'पति पत्नी और वो दो' में जबरदस्त कॉमेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है। वामिका 'किकली' के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है। 'किकली' आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-2' में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com